मनमानी | विकास या विनाश निजी जमीनों को छलनी कर रहे बीएसएनएल के ठेकेदार

बीएसएनएल ने पहले पंचायत की सड़क तोड़ी, अब किसानों के खेतों पर कब्जा

नवभारत, गोहपारू । सरकारी विभागों के बीच आपसी समन्वय की कमी का खामियाजा एक बार फिर जनता को भुगतना पड़ रहा है। ताज़ा मामला जनपद पंचायत गोहपारू के अंतर्गत ग्राम पंचायत करीं का है, जहाँ बीएसएनएल (बीएसएनएल) द्वारा केबल बिछाने के नाम पर पंचायत की नवनिर्मित ग्रेवल रोड को जेसीबी मशीनों से खोदकर नष्ट किया जा रहा है।

बिना अनुमति के चली जेसीबी

नियमों के मुताबिक, किसी भी निर्माण कार्य या खुदाई के लिए संबंधित ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र (छव्ब्) लेना अनिवार्य होता है। लेकिन यहाँ बीएसएनएल के ठेकेदारों और कर्मचारियों ने मनमानी की सारी हदें पार कर दीं। सरपंच और सचिव का आरोप है कि विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना या लिखित अनुमति के सड़क के बीचों-बीच गहरी खुदाई शुरू कर दी, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार के नाम पर सरकारी विभागों की तानाशाही अब आम नागरिकों के निजी हक पर डाका डालने लगी है। जनपद पंचायत गोहपारू क्षेत्र के अंतर्गत बीएसएनएल द्वारा केबल बिछाने के कार्य में नियमों को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है। ग्राम पंचायत की ग्रेवल रोड को नष्ट करने के बाद, अब विभाग के ठेकेदारों ने बिना किसी अनुमति के किसानों की निजी कृषि भूमि (प्राइवेट जमीन) को खोदना शुरू कर दिया है।

किसानों की मेहनत पर फिर रहा पानी

ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अपनी भूमि को बड़ी मेहनत से खेती के लिए तैयार करते हैं। लेकिन बीएसएनएल के कार्य में लगी जेसीबी मशीनों ने खेतों के बीचों-बीच गहरी खुदाई कर दी है। प्रभावित किसानों का कहना है कि न तो उन्हें कोई पूर्व सूचना दी गई और न ही उनकी सहमति ली गई। केबल बिछाने के बाद मिट्टी को भी सही तरीके से समतल नहीं किया जा रहा है, जिससे खेतों की उपजाऊ शक्ति और मेढ़ें पूरी तरह खराब हो गई हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी निजी भूमि पर कार्य करने से पहले भू-स्वामी की लिखित अनुमति और उचित मुआवजे का प्रावधान होता है। लेकिन यहाँ विभाग और ठेकेदार की जुगलबंदी ने सीधे तौर पर किसानों के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया है। बिना अनुमति किसी की निजी जमीन खोदना 'अतिचार' की श्रेणी में आता है, जिसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जा सकती है।

लाखों की लागत से बनी सड़क हुई खंडहर

ग्रामीणों ने बताया कि बड़ी मुश्किल से पंचायत ने इस ग्रेवल रोड का निर्माण कराया था ताकि कीचड़ और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से मुक्ति मिल सके। लेकिन अब बीएसएनएल की इस कार्यप्रणाली ने लाखों रुपये की लागत से बनी इस सड़क को खंडहर में तब्दील कर दिया है। खुदाई के बाद गड्ढों को ठीक से भरा भी नहीं जा रहा है, जिससे भविष्य में दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। पीड़ित किसानों ने इस तानाशाहीपूर्ण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग ने अपनी कार्यप्रणाली नहीं बदली और हुए नुकसान की भरपाई नहीं की, तो वे काम को बंद करवाकर कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

इनका कहना है

हमें इस खुदाई की कोई जानकारी नहीं दी गई। बिना अनुमति सड़क खोदना शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुँचाने जैसा है। हम इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों और जनपद सीईओ से लेकर कलेक्टर तक करेंगे।

सरपंच
ग्राम पंचायत करीं

जल की हर बूंद है अनमोल, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, शहडोल । जिले में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी एवं आमजन उत्साहपूर्वक भागीदारी निभा रहे हैं।इसी क्रम में जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था जगदंबा जन विकास समिति भमरहा, प्रथम सेक्टर आखेटपुर, विकासखंड ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम देवगांव में जल स्रोतों के संरक्षण के उद्देश्य से बावड़ी एवं वृक्ष पूजन कार्यक्रम तथा श्रमदान कर बावड़ी की साफ-सफाई की गई।कार्यक्रम में नवांकुर संस्था अध्यक्ष यमुना प्रसाद नापित, परामर्शदाता हीरालाल साहू, सामाजिक कार्यकर्ता भैया लाल पाल, रमाकांत तिवारी, माधुरी तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती कर जल संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित यह अभियान जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जल के बिना जीवन संभव नहीं है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल की एक-एक बूंद बचाने के लिए जागरूक होना होगा।

भगवान निषाद राज जयंती पर निकलेगी शोभायात्रा

समाजजनों से सहभागिता की अपील

नवभारत, शहडोल। एकलव्य युवा सेना, निषाद वंसीय मछुआरा समाज शहडोल (म.प्र.) के तत्वाधान में भगवान निषाद राज जयंती के पावन अवसर पर 23 मार्च 2026, सोमवार को एक भव्य एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह शोभायात्रा दोपहर 2:00 बजे दरभंगा चौक से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों बुढार चौक, गांधी चौक, जैन मंदिर होते हुए मोहन राम मंदिर में सम्पन्न होगी। आयोजन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल बना हुआ है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने बताया कि यह शोभायात्रा भगवान निषाद राज जी के आदर्शों, त्याग और समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ भगवान निषाद राज के जयकारे लगाएंगे और सांस्कृतिक झांकियों के माध्यम से उनके जीवन प्रसंगों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।समाज के सभी बंधुओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य शोभायात्रा में शामिल हों और आयोजन को सफल बनाएं।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उक्त जानकारी देते हुए एकलव्य युवा सेना निषाद वंशीय मछुआरा समाज, शहडोल के जिलाध्यक्ष रिंकू बर्मन को अपने वंश का गौरव बढ़ाने का आह्वान किया है।

कन्या महाविद्यालय में पर्यावरण जागरूकता का अनूठा अभियान

पर्यावरण संरक्षण वैकल्पिक नहीं, अस्तित्व से जुड़ा दायित्व

नवभारत,शहडोल। शहडोल स्थित शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध जागरूकता कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का बोध कराते हुए उन्हें व्यवहारिक रूप से जागरूक बनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत मिशन लाइफ के तहत जागरूकता अभियान, लघु कार्यशाला, परियोजना प्रदर्शनी एवं विभिन्न

प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। साथ ही दो दिवसीय सतत जीवन शैली कार्यशाला के माध्यम से छात्राओं को पर्यावरण अनुकूल जीवन जीने के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण कोई वैकल्पिक विषय नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व से जुड़ा दायित्व है। का संदेश प्रमुखता से दिया गया। छात्राओं को बताया गया कि यदि हम प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाएं, तो न केवल पृथ्वी बल्कि हमारा भविष्य भी सुरक्षित रह सकता है। कार्यशाला में छात्राओं को कपड़े एवं जूट से उपयोगी सामग्री जैसे बैग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही मिट्टी के बर्तनों को सजाकर उन्हें आकर्षक एवं उपयोगी बनाने की रचनात्मक गतिविधियां भी कराई गईं। प्रतिभागी छात्राओं को जूट बैग, डायरी, पेन, फाइल सहित अन्य सामग्री भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं सतत विकास के लिए सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

शहडोल में अकीदत के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

नवभारत, शहडोल। पवित्र रमजान माह के 30 रोजों की इबादत, सब्र और रूहानी साधना के बाद शनिवार को शहडोल मुख्यालय में ईद-उल-फित्तर का त्योहार पूरे हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। बुढ़ार चौक स्थित ईदगाह में सुबह से ही नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नए वस्त्रों में सजे बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उत्साह के साथ ईद की नमाज में शामिल हुए। जामा मस्जिद के इमाम आरिफसाहब ने ईद की नमाज अदा कराई। इस दौरान नमाजियों ने हाथ उठाकर अल्लाह से देश में अमन-चैन,

आपसी सौहार्द, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी, साथ ही बीमार लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की गई। इमाम साहब ने अपने संदेश में समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे को बनाए रखने पर जोर दिया। नमाज के बाद ईदगाह परिसर में भावनात्मक और सौहार्दपूर्ण दृश्य देखने को मिला, जहां लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों की खुशियां देखते ही बन रही थींकृरंग-बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे चेहरे त्योहार की रौनक को और बढ़ा रहे थे। इसके बाद लोगों ने अपने-अपने घरों में जाकर रिश्तेदारों और मित्रों का स्वागत किया। पारंपरिक सेवइयों सहित विभिन्न व्यंजनों का आनंद लिया गया और ईदी देने-लेने की परंपरा भी निभाई गई। पूरे शहर में उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा।त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। बुढार रोड एवं पाली रोड स्थित ईदगाहों के आसपास पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिसकर्मियों ने भी मौके पर मौजूद रहकर लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं और व्यवस्था बनाए रखी।

मिलीभगत | पुलिस और खनिज विभाग की मिलीभगत का वीडियो वायरल

शहडोल में प्रशासन की नाक के नीचे रेत का 'काला खेल

नवभारत, शहडोल । गोहपारू क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन का धंधा अब छिपा नहीं रह गया है। छोटी-बड़ी नदियों और नालों से सरेआम हो रही रेत चोरी ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। हाल ही में एक जागरूक ग्रामीण द्वारा बनाया गया वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने स्थानीय पुलिस और खनिज (माइनिंग) विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या है वायरल वीडियो में?

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे बेखौफ होकर ट्रैक्टर और डंपर नदियों के सीने को छलनी कर रहे हैं। ग्रामीण का आरोप है कि यह पूरा खेल पुलिस और माइनिंग विभाग की मिलीभगत से चल रहा है। वीडियो में ग्रामीण यह कहते सुना जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों को सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, बल्कि सूचना देने वाले को ही डराया-धमकाया जाना है।क्षेत्र में बहने वाली जीवनदायिनी नदियों और नालों का अस्तित्व अब खतरे में है। सरकारी रोक और एनजीटी के कड़े नियमों के बावजूद, माफिया रात के अंधेरे का फायदा उठाकर धड़ल्ले से रेत का अवैध उत्खनन कर रहे हैं। इस काले कारोबार का पर्दाफाश करते हुए एक जागरूक ग्रामीण ने अपनी जान जोखिम में डालकर एक वीडियो बनाया है, जो अब सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहा है।

रात ढलते ही शुरू होता है ट्रैक्टरों का 'तांडव'

वायरल वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि कैसे आधी रात के बाद सुनसान रास्तों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का काफिला गुजर रहा है। ग्रामीण द्वारा बनाए गए इस वीडियो में नदियों के बीचों-बीच अवैध लोडिंग का मंजर कैद है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दिन के उजाले में तो प्रशासन की सख्ती का दिखावा होता है, लेकिन सूरज ढलते ही पुलिस और माइनिंग विभाग की 'मौन सहमति' से रेत चोरी का खेल शुरू हो जाता है।

प्रशासनिक मिलीभगत के गंभीर आरोप

ग्रामीणों का आक्रोश केवल माफियाओं के खिलाफनहीं, बल्कि उन रक्षकों के खिलाफभी है जिनकी जिम्मेदारी इसे रोकने की थी। वीडियो वायरल करने वाले ग्रामीण ने दावा किया है कि कई बार संबंधित थाना क्षेत्र और खनिज अधिकारियों को लोकेशन के साथ सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद भी कार्रवाई में देरी की जाती है ताकि माफिया सुरक्षित निकल सकें। रेत के इस अवैध कारोबार में मोटी 'एंट्री फीस' का खेल चल रहा है, जिसका हि पहुँचने की चर्चा है। बडे स्तर से लेकर ऊपर तक अंधाधुंध उत्खनन से न केवल नदियों का स्वरूप बिगड़ रहा है, बल्कि आसपास के गांवों का जलस्तर भी खतरनाक स्तर तक गिर गया है। भारी-भरकम ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की वजह से गांवों की लिंक रोड पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।नाम गोपनीय रखने की शर्त पर एक ग्रामीण हमारा गांव अब सुरक्षित नहीं रहा। रात भर ट्रैक्टरों का शोर और माफियाओं की गुंडागर्दी रहती है। अगर पुलिस चाहे तो एक पत्ता भी नहीं हिल सकता, लेकिन यहाँ तो पूरा पहाड़ (रेत) चोरी हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी भी बड़े माफिया या अधिकारी पर गाज नहीं गिरी है। जनता अब सवाल पूछ रही है कि क्या इस वीडियो के आधार पर दोषियों पर एफआईआर दर्ज होगी या फिर हर बार की तरह मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?